श्रेष्ठ पुरुषार्थ है सदा श्रीमत पर चलना

उससे ही आत्मा का दीपक जगता

बाप पर पुरे कुर्बान होना है ऊँचा पुरुषार्थ

बेहद की पवित्रता को करो धारण

जिससे लक्ष्मी-नारायण का राज्य हो प्राप्त

सच्ची-सच्ची दीपावली व करोनेशन डे मनाना

अपना करना कल्याण तो इश्वरीय मत पर चलो

अपनी मत पर नही चलना

कुसंग से भी है बचना

खुश रह कर खुश करने का पुरुषार्थ करो

विश्व को चैलेंज करो पवित्र बनने और बनाने का

पवित्रता के बिना योगी व ज्ञानी तू आत्मा बन न सके

पवित्रता माना सम्पूर्ण लगाव मुक्त

प्रकृति को भी पावन है बनाना

पवित्रता ही है जीवन का मुख्य फ़ाउनडेशन

धरत परिये धर्म न छोड़िये

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!